मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

# BHDE-142

## स्नातक उपाधि कार्यक्रम ( बी.ए.जो. )/

## बी. ए. ( ऑनर्स ) ( हिंदी ) ( बी.ए.एच.डी.एच. )

## सत्रांत परीक्षा

## जून, 2022

### बी.एच.डी.ई.-142 : राष्ट्रोय काव्यधारा

*समय : 3 घण्टे* *अधिकतम अंक : 100*

---

**नोट :** *कुल* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रथम प्रश्न अनिवार्य है।*

---

1. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं ***तीन*** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 3×12=36

(क) हाँ, वृद्ध भारतवर्ष ही संसार का सिरमौर है
ऐसा पुरातन देश कोई विश्व में क्या और है ?
भगवान की भव-भूतियों का यह प्रथम भण्डार है,
विधि ने किया नर-सृष्टि का पहले यहीं विस्तार है॥

(ख) मुझे तोड़ लेना वनमाली।
उस पथ पर तुम देना फेंक॥
मातृभूमि पर शीश चढ़ाने।
जिस पथ जावें वीर अनेक॥

(ग) सिंहासन हिल उठे राजवंशों ने भकुटी तानी थी,
बूढ़े भारत में भी आई फिर से नयी जवानी थी,
गुमी हुई आजादी की कीमत सबन पहचानी थी,
दूर फिरंगी को करने की सबने मन में ठानी थी।

(घ) जिस दिन सबसे पहले जागे, नव सृजन क स्वप्न घने
जिस दिन देश-काल के दो-दो, विस्तृत विमल वितान तने
जिस दिन नभ में तारे छिटके, जिस दिन सूरज-चाँद बने
तब से यह देश हमारा, यह अभिमान हमारा है।

(ङ) सच है विपत्ति जब आती है,
कायर को ही दहलाती है,
सूरमा नहीं विचलित होते,
क्षण एक नहीं धीरज खोते,
विघ्नों को गले लगाते हैं,
काँटों में राह बनाते हैं।

2. आधुनिक युग के राजनीतिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक संदर्भों पर प्रकाश डालिए। 16

3. राष्ट्रोय स्वाधीनता आन्दोलन के विकास को रेखांकित कीजिए। 16

4. मैथिलीशरण गुप्त का परिचय देते हुए उनके इतिहास बोध की चर्चा कीजिए। 16

5. माखनलाल चतुर्वेदी के काव्य के भावपक्ष को उद्घाटित कीजिए। 16

6. एक कवि के रूप में सुभद्राकुमारी चौहान के महत्व को रेखांकित कीजिए। 16

7. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' की राष्ट्रोय चेतना पर प्रकाश डालिए। 16

8. रामधारी सिंह 'दिनकर' के काव्य में अभिव्यक्त सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना को स्पष्ट कीजिए। 16

9. राष्ट्रोय चेतना के संदर्भ में 'जौहर' काव्य का मूल्यांकन कीजिए। 16